

खलीफा पुं. (अर.) 1. प्रतिनिधि, नुमाइंदा, नायब
2. अध्यक्ष, अधिकारी 3. खानसामा, बावर्ची 4.
हज्जाम, नाई 5. मुहम्मद साहब के
उत्तराधिकारी 6. खुराट 7. दरजी।

खलु अव्य. (तत्.) 1. निश्चय, निषेध, जिजासा
आदि अर्थ सूचक 2. अवश्य ही, सचमुच।

खलूरिका स्त्री. (तत्.) अस्त्र संचालक के अभ्यास
का स्थान।

खलेल पुं. (देश.) तेल में रह जाने वाला खली का
अंश।

खल्क स्त्री. (अर.) दे. खलक।

खल्ल मल्ल वि. (देश.) मिला जुला, मिश्रित,
गड़मड़।

खल्ल्या स्त्री. (तत्.) खलियानों का समूह।

खल्ल पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का कपड़ा 2.
चमड़ा, चमड़े की मशक 3. चातक 4. खरल 5.
गड़ढा 6. नहर।

खल्लड़ पुं. (देश.) 1. चमड़े का थैला 2. औषधि
कूटने का खरल।

खल्लिका स्त्री. (तत्.) कड़ाही।

खल्लिट वि. (तद्.) गंजा, खलवाट।

खल्ली पुं. (देश.) एक वायु रोग जिसमें हाथ पांव
मुड़ जाते हैं।

खल्व पुं. (तत्.) 1. एक रोग जिसके कारण सिर
के बाल झड़ जाते हैं 2. एक प्रकार का धान 3.
चना।

खल्वट पुं. (तत्.) गंजेपन का रोग जिसमें सिर के
बाल झड़ जाते हैं, गंजा।

खवा पुं. (देश.) कंधा, भुजमूल मुहा. खवे खवा
छिलना- कंधे से कंधा छिलना।

खवाई स्त्री. (देश.) खाने की क्रिया, भोजन करने
के बदले प्राप्त धन टि. विवाह के अवसर पर
वर पक्ष के लोगों को जलपान के समय कहीं-
कहीं कन्या पक्ष की ओर से नेग देने का प्रचलन
है।

खवाना स.क्रि. (देश.) खिलाना, भोजन कराना।

खवाब पुं. (फा.) 1. स्वप्न, नींद 2. सोने की
अवस्था।

खवारी स्त्री. (फा.) 1. खराबी, बर्बादी, भ्रष्टता 2.
अनादर, तिरस्कार, बेइज्जती, अपमान।

खवास पुं. (अर.) 1. खास खिदमतगार, विशिष्टजन,
खास लोग 2. गुण धर्म।

खवासी स्त्री. (अर.) 1. खिदमतगीरी 2. खवास का
काम या पद 3. हौंदे या गाड़ी में पीछे खवास के
बैठने की जगह।

खविद्या स्त्री. (तत्.) ज्योतिर्विद्या, ज्योतिष।

खवैया पुं. (देश.) खाने वाला।

खशखश पुं. (फा.) पोस्ते का पौधा और उसका
बीज, खसखस।

खशी वि. (तत्.) हल्का आसमानी।

खश्म पुं. (फा.) कोप, क्रोध, रोष यौ. खश्मगीन-
गुस्से से भरा हुआ, प्रकुपित।

खष्म पुं. (फा.) 1. कोप, क्रोध, गुस्सा 2. क्रूरता,
निर्दयता, हिंसा, नथने का टूट जाना।

खस पुं. (फा.) वर्तमान गढ़वाल और उसके उत्तरवर्ती
प्रांत का नाम 2. इस प्रदेश की एक प्राचीन
जाति 3. खुजल, पोस्ते का पौधा स्त्री. सूखी
घास, गॉडर नामक घास की सुगंधित जड़, जिसकी
टट्टियाँ दरवाजों और खिड़कियों पर लगाई जाती
हैं।

खसकना अ.क्रि. (देश.) स्थानांतरित होना, सरकना,
खिसकना जैसे- यह ईंट खसक गई है।

खसखस स्त्री. (तत्.-खस्खस) पोस्ते का दाना या
बीज।

खसखसा वि. (देश.) 1. भुरभुरा 2. बहुत छोटा 3.
पोस्ते के दाने जैसा।

खसखाना पुं. (फा.) खसकी टट्टियों में घिरा हुआ
स्थान, वह घर जिसके चारों ओर खस की
टट्टियाँ लगी हों।